हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 14 मार्च 2025

11 त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत और भाईचारे ...

12 विधायक ने लोगों के साथ खेली तिलक होली

कबड्डी में भावड़ ने कुड़ल को हराया

21 हजार का कुश्ती दंगल टाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

दादा भोमिया व होली पर्व पर गांव कुड़ल में भव्य मेले का आयोजन किया गया। जिसमें कुश्ती दंगी, कबड्डी व बुजुर्गों की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया। 21 हजार के कुश्ती दंगल में नितिन बाढ़डा व टिंकू मेहराना के बीच मुकाबला टाई रहा। विजय धनाना ने अजय बगड़ को हराकर 11 हजार रुपये का दूसरा इनाम तथा तीसरे स्थान के लिए भी मुकाबला दो पहलवानों के बीच टाई रहा। लड़कों की कबड्डी 35 किलोभार वर्ग में लाड (दादरी) ने गांव कुडल की टीम को हराया। लड़कियों की कबड्डी मुकाबले में भावड़ा सोनीपत ने कुड़ल को हराकर पहला स्थान प्राप्त किया किया। बुजुर्गों की दौड़ में सतपाल भदावड़ (सोनीपत) पहले, राजेंद्र सुन्दरपुरा (जींद) दूसरे व रामकिशन शर्मा भांडवा(दादरी) तीसरे स्थान पर रहे। इस मौके पर आयोजन कमेटी के सदस्य विजेंद्र तंवर, विजय चेयरमैन, पवन नंबरदार, अवन शर्मा, अरविंद शर्मा, कुलदीप डीपी, विक्रम फौजी, अवन शर्मा, नीतेश शर्मा, सरपंच व पंचायत सदस्य व ग्रामीण उपस्थित रहे।

■ कुड़ल में मेले का आयोजन

होली आए और बच्चे मस्ती-धमाल न करें, यह कैसे हो सकता है! यह मस्ती तभी जमकर हो सकेगी, जब बच्चों को अधिक से अधिक लोगों का साथ मिले। होली हमें उन सब के साथ मनानी चाहिए, जिनके साथ हम अधिक से अधिक समय बिताते है, हमारे आस-पास रहते हैं। इससे न सिर्फ इन सबको त्योहार की खुशियां मिलेंगी, हमारी खुशियां भी बढ़कर चहक उठेंगी। होली सेलिब्रेशन में हर किसी का प्यार भरा साथ जरूरी है।

तब होली पर खुशी से झूम उठोगे तुम

सेलिब्रेशन
प्रखर श्रीवास्तव

आज होली है। बच्चों के लिए मस्ती-धमाल का दिन। एक-दूसरे को रंग लगाना ही है। दोस्तों को लाल-पीले, हरे-नीले रंगों से रंगना है, खुद भी रंगों से रंग जाना है। टोली बनाकर हुड़दंग करना है, डांस भी करना है। बच्चों, तुमने भी इस बार होली के लिए अपने दोस्तों के साथ कुछ प्लानिंग जरूर की होगी कि होली कैसे मनाएंगे, कैसे जमकर धमा-चौकड़ी करेंगे? होली पर तुम अगर कुछ बातों का ध्यान रखोगे तो जरूर यह त्योहार तुम्हें ही नहीं, दूसरों को भी खुशियों से भर देगा, यह होली तुम्हारी यादों में बस जाएगी।

घर से करो शुरुआत

होली की शुरुआत अपने घर से करो। अगर दादा-दादी साथ रह रहे हैं तो सुबह सबसे पहले उनके पैर छूकर उनका आशीर्वाद लो। उन्हें गुलाल लगाओ, उनसे भी अपने माथे पर गुलाल का टीका लगवाओ। होली पर अपने दादा-दादी को कभी नहीं भूलो। त्योहार पर दादा-दादी घर के बच्चों का अपनापन पाकर निहाल हो जाते हैं। इसी तरह अपने पापा-मम्मी के भी पैर छूकर उनका आशीर्वाद लो। इन्हें भी गुलाल लगाना ना भूलना। अपने घर के आस-पास रहने वाले बड़ों से भी जाकर आशीर्वाद लो, खासकर उन वृद्ध लोगों के घर जरूर जाओ, जो अकेले रह रहे हैं, इनके बच्चे किसी दूसरे शहर या विदेश में रह रहे हैं। तुम्हारा साथ पाकर वे खुशी से खिल उठेंगे, ढेर सारा आशीर्वाद देंगे। त्योहार पर बड़ों का आशीर्वाद लेने का मतलब है, सुखी जीवन।

जरूरी है दोस्तों का साथ

होली का असली मजा दोस्तों के साथ ही है। दोस्तों के साथ हम रंग ही नहीं खेलते, खूब मस्ती-धमाल भी करते हैं। इसलिए होली पर अपने हर दोस्त का साथ जरूरी है। बच्चों, होली पर उन दोस्तों को भी साथ लो, जिनसे किसी बात पर तुम्हारी कुछ दिन पहले लड़ाई हो गई थी, बातचीत बंद है। होली के दिन सारे शिकवे-शिकायत भूलकर उनके साथ रंग खेलो, उनसे गले मिलो। ऐसा करके तुम्हें एक अलग ही खुशी मिलेगी, तुम्हारा दोस्त भी खुश होगा। होली पर अपने उन दोस्तों को बिल्कुल न भूलो, जो किसी कारण होली नहीं खेल पा रहे हैं। शिवम को ही देखो, पिछली होली पर जब उसका दोस्त अंकित पैर में फ्रेक्चर होने की वजह से रंग खेलने नहीं आ सका तो शिवम पूरी टोली के साथ उसके घर पहुंच गया। अंकित को जब अपने घर में होली पर दोस्तों का साथ मिला तो उसके चेहरे पर छायी उदासी दूर हो गई। उसने सबको गुलाल का टीका लगाकर होली की खुशियां मनाई। इसी तरह समीर के भी दोस्त उस साल नहीं भूले, जब होली के एक माह पहले उसके पापा का एकाएक हार्टफेल होने की वजह से देहांत हो गया था, सभी दोस्त समीर के घर इसलिए गए कि वह त्योहार पर दुख में डूबा रहकर अपने आपको अकेला न समझे, उसको कुछ तो खुशी मिले, वह नॉर्मल लाइफ की ओर लौटे। समीर को दुख की घड़ी में अपने प्यारे दोस्तों का साथ पाकर एक बल मिला, त्योहार पर छाया सूनापन दूर हुआ। हां, बच्चों त्योहार इसीलिए होते हैं कि जीवन में छायी उदासी छंटे, खुशी मिले।

इन्हें भी न भूलो

बच्चों, त्योहार की खुशियां जितने ज्यादा लोगों के साथ मनाओगे, उतना ज्यादा अच्छा लगेगा। कहते हैं न कि खुशियां बांटने से बढ़ती हैं। त्योहार सिर्फ परिवार, रिश्तेदार, दोस्तों और पड़ोसियों के साथ ही नहीं, उन लोगों के साथ भी मनाओ, जो अकेले हैं, असहाय हैं, गरीब और जरूरतमंद हैं। नवीन हर साल होली पर अपने दोस्तों के साथ शहर के अनाथालय में जरूर जाता है, जहां ऐसे बच्चे रहते हैं, जिनके मां-बाप नहीं हैं, वे अकेले हैं। नवीन और उसके दोस्त इन अनाथ बच्चों के साथ रंग खेलते हैं, इन्हें होली पर बनने वाली गुझिया, मिठाई और नमकीन बांटते हैं। ये बच्चे त्योहार पर ऐसा प्यारा साथ पाकर बहुत ज्यादा खुश होते हैं। उधर अमित और उसकी बहन अनिता भी अपने पापा-मम्मी के साथ घर से कुछ ही दूर पर वृद्धाश्रम में जाकर अकेले रह रहे वृद्धों के बीच होली मनाते हैं, उन्हें गुझिया, मिठाई स्वयं खिलाते हैं, अपनेपन का अहसास देते हैं। बच्चों, बहुत से लोग तो घर के पास बनी झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर उन गरीब, असहाय लोगों के बीच त्योहार की खुशियां मनाते हैं, जिनके पास इतने भी पैसे नहीं होते जो दो वक्त की रोटी खा सकें। इन गरीब परिवारों में तुम्हारे जैसे बच्चे भी होते हैं, त्योहार पर मदद और अपनापन पाकर बेइंतहा खुश होते हैं।

बच्चों, होली पर तुम अपने होम सर्वेंट जैसे मेड, ड्राइवर को ना भूलो, इन्हें होली की मुबारकबाद दो, गुलाल लगाओ। त्योहार के मौके पर तुम इन्हें या इनके बच्चों को कोई प्यारा सा गिफ्ट भी दे सकते हो। ऐसा प्यार-सम्मान पाकर यह बहुत खुश होंगे।

बच्चों, तुम जब इस तरह होली की खुशियां सबके साथ सेलिब्रेट करोगे तो तुम्हें एक बहुत अलग तरह की खुशी मिलेगी, तुम खुशी से झूम उठोगे। हैप्पी होली....! *

इस्तेमाल करो ऑर्गेनिक कलर्स

बच्चों, होली में मस्ती जरूर करो, लेकिन मस्ती में आकर ऐसा भी कुछ मत करना कि रंग में भंग हो जाए, होली का मजा किरकिरा हो जाए। अकसर देखा जाता है कुछ बच्चे ऐसे रंगों का इस्तेमाल करते हैं, जिनमें स्किन को नुकसान पहुंचाने वाले केमिकल्स मिले होते हैं, रंग लगने के बाद काफी दिनों तक परेशानी बनी रहती है। ये केमिकलयुक्त रंग आंखों को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं, इसलिए ऐसे रंग बिल्कुल न इस्तेमाल करो। अब तो बाजार में ऑर्गेनिक कलर मिल रहे हैं, तुम इनका उपयोग कर सकते हो। बच्चों, अपने मम्मी पापा की गाइडेंस में ऑर्गेनिक कलर घर पर भी तुम फूलों, फलों और सब्जियों से बना सकते हो। जब तुम इन ऑर्गेनिक कलर्स का इस्तेमाल करोगे, तुम्हारे दोस्तों को ये कलर्स खूब भाएंगे, क्योंकि ये कलर्स खुशबूदार होते हैं। तुम्हारे दोस्त यही कहेंगे, 'लगाओ... लगाओ और कलर लगाओ ना...!'

क्या तुम जानते हो / नयनतारा

बच्चों, क्या तुम जानते हो कि होली के अवसर पर होलिका दहन क्यों किया जाता है और रंग क्यों खेला जाता है? जानो, इन परंपराओं से जुड़ी पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के बारे में।

क्यों मनाते हैं हम होली का त्योहार

बच्चों, तुम्हें होली के त्योहार पर रंग खेलने में बहुत मजा आता होगा। लेकिन क्या तुम जानते हो कि होली का त्योहार क्यों मनाया जाता है? बता रहे हैं विस्तार से।

देश के अधिकतर त्योहारों का संबंध मौसम के बदलने और कृषि से होता है। होली भी इसका अपवाद नहीं है। यह त्योहार जाड़े की समाप्ति का संकेत और फसल काटने की शुरुआत करने का अवसर है, जो फाल्गुन की पूर्णिमा (मार्च माह में) पर बसंत ऋतु में मनाया जाता है। इस त्योहार से पौराणिक कथा भी जुड़ी है। प्राचीन समय में एक असुर राजा था, हिरण्यकश्यप। उसने तप कर असाधारण शक्तियां प्राप्त कर ली थीं। वह अपने को भगवान समझकर अपनी प्रजा पर दबाव डालने लगा कि वह ईश्वर की जगह उसकी पूजा करें। बहुत से लोग डर कर उसकी पूजा करने लगे, लेकिन उसी का पुत्र प्रह्लाद, जो एक नेक और सच्चा बालक था, इस गलत बात से सहमत नहीं था। वह न केवल अपने पिता का विरोध करता था बल्कि भगवान विष्णु की पूजा और भक्ति करता था।

फिर हिरण्यकश्यप ने अपने ही पुत्र का वध करने का निर्णय लिया। इस साजिश में उसने अपनी बहन होलिका को भी शामिल कर लिया, जिसे यह वरदान प्राप्त था कि आग उसे जला नहीं पाएगी। इसलिए योजना यह बनाई गई कि होलिका अपनी गोद में प्रह्लाद को लेकर बैठेगी, जिससे वह जलकर राख हो जाएगा। लेकिन यह साजिश नाकाम हो गई। अपनी बुआ होलिका की गोद में बैठा बालक प्रह्लाद निरंतर भगवान विष्णु का नाम जप रहा था। इस तरह होलिका जल गई और प्रह्लाद बच गया। इसीलिए, हम होली पर होलिका दहन करते हैं कि अपनी बुराइयों को जलाकर राख कर दो।

जहां तक बात है कि हम होली पर रंग क्यों खेलते हैं? असल में प्राचीन भारत में वसंतोत्सव मनाया जाता था, जिसमें रंग खेले जाते थे। फिर वसंतोत्सव भगवान कृष्ण से जुड़ गया, जो मथुरा वृंदावन में गोपियों के साथ रंग खेलते थे। इसीलिए होली पर कृष्ण-राधा की भी पूजा की जाती है और रंग खेला जाता है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

चटोरे चूहे की कहानी

बच्चों, 'कहानी एक चूहे की' नन्ही-सी चित्र-पुस्तक है। इसमें एक शरारती-आलसी चूहे की छोटी-सी मजेदार कहानी है। इस कहानी में निक्की नाम का एक चूहा है, जो बहुत चटोरा है। उसका स्वभाव भी थोड़ा नकचढ़ा है। उसे अपने मां-पिता की बातें कभी नहीं भाती हैं। अपनी इस आदत की वजह से वह अनहेल्दी चीजें खा-खाकर गोल-मटोल हो जाता है। दौड़ना तो दूर, वह ठीक से चल भी नहीं पाता। इस वजह से अकसर मुसीबत में पड़ता रहता है। इस कहानी में उसके साथ घटी ऐसी ही मुसीबत में घिरने की दो घटनाएं हैं। जिनमें किस्मत से वह बच तो निकलता है, लेकिन फिर वह अपनी गलती पर शर्मिंदा होता है और खुद को बदल डालता है। इस मजेदार कहानी में ऐसे कई घटनाक्रम हैं, जिन्हें पढ़ते हुए तुम खुद को लोट-पोट होने से रोक न सकोगे। पूरी किताब में रंग-बिरंगे चित्र भी बने हैं। *

किताब: कहानी एक चूहे की, **लेखन-चित्र**: उत्पल तालुकदार, **अनुवाद**: पंकज चतुर्वेदी, **मूल्य**: 50 रुपए, **प्रकाशक**: राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

हंसगुल्ले

टीचर : 'मुंह में पानी आना' इस मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करो।
रोहन : जैसे ही मैंने नल की टोंटी में मुंह लगाकर नल चालू किया, मेरे मुंह में पानी आ गया।
-करण, बिलासपुर

चिंटू-मिंटू फुटबॉल मैच देख रहे थे।
चिंटू : अरे, इतने सारे लोग फुटबॉल को लात क्यों मार रहे हैं?
मिंटू : गोल करने के लिए।
चिंटू : लेकिन फुटबॉल तो पहले से ही गोल है। इसे और कितना गोल करेंगे?
-आशीष, रायपुर

सोनू : मान लो, तुम्हारे पास चार सेब हैं, उनमें से दो सेब मैं ले लूं, तो तुम्हारे पास कितने सेब बचेंगे?
मोनू : चार ही बचेंगे, क्योंकि मैं तुम्हें एक भी सेब नहीं दूंगा।
-चंचल, दुर्ग

जीके क्विज- 145

1. पौराणिक कथाओं के अनुसार हिरण्यकश्यप की बहन का नाम क्या था?
2. लट्ठमार होली कहां खेली जाती है?
3. भारतीय क्रिकेट टीम ने किस देश की टीम को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती है?
4. हाल ही में 'वंतारा एनिमल रेस्क्यू सेंटर' का उद्घाटन कहां किया गया?
5. प्रत्येक वर्ष विश्व जल दिवस कब मनाया जाता है?
6. भारत के किस टेबल टेनिस खिलाड़ी ने पिछले दिनों टेबल टेनिस से संन्यास की घोषणा की?
7. पोंगल किस राज्य का प्रमुख त्योहार है?
8. हवामहल कहां स्थित है?
9. कबड्डी किस देश का राष्ट्रीय खेल है?
10. यूनेस्को का मुख्यालय कहां स्थित है?

बच्चों, जीके क्विज-145 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-144 का उत्तर: 1.पूर्णिमा देवी वर्मन, 2.सर्विसेज, 3.प्रयागराज, 4.रमेन डेका, 5. 8 मार्च, 6.लॉर्ड कैनिंग, 7.राजा राममोहन राय, 8.सुंदरलाल बहुगुणा, 9.शुक्र, 10.मार्कोनी

जीके क्विज-144 का सही उत्तर देने वाले: डॉली-दुर्ग, गुंजा-रायपुर, शुभम-बलौदा बाजार, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, कबीर-हिसार, रमेश-कोरबा, दीपिका-हिसार, चेतन-महासमुंद, कल्पना-झज्जर, अमन-बिलासपुर, दीपक-रोहतक, हिमांशु-रायगढ़, शोभित-बिलासपुर, काव्या-बालोद

होली पर बच्चे मस्ती-धमाल न करें, यह कैसे हो सकता है! बंटी, पिंकी, अर्जुन, गुड्डी और मन्नू ने जब सड़क पर स्कूटर से जा रहे एक अंकल जी को रंग भरे बैलूंस मारे तो वह गिर कर चोटिल हो गए। इस हरकत पर उन्हें डांट न पड़े, इसलिए सारे बच्चे चुपचाप वहां से खिसक लिए। इसके बाद जो हुआ, बच्चों के लिए एक बड़ा सबक था। प्यारी सी कहानी।

होली का सबक

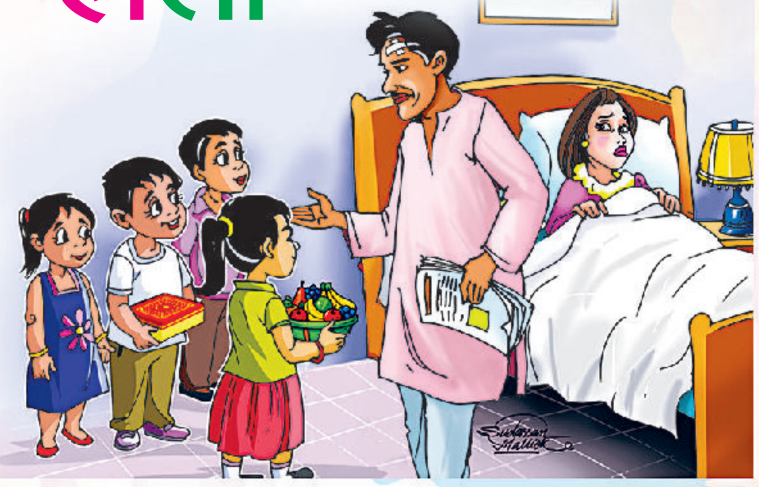

कहानी
सरस्वती रमेश

मन्नू और उसके दोस्तों ने इस बार होली पर जमकर हुड़दंग मचाने की प्लानिंग कर रखी थी। बंटी, पिंकी, अर्जुन और मन्नू ने रंग, पिचकारियों के साथ वाटर बैलूंस भी खरीद लिए। होली खेलने के लिए खास रंगीन कपड़े, टोपी और कमर में बांधने के लिए लाल, पीले चौड़े फीते भी उन्होंने मंगवा लिए थे। मन्नू के साथ होली मनाने के लिए गांव से उसकी चचेरी बहन गुड्डी भी आई थी। गुड्डी बहुत होशियार और बातूनी है। चंद दिनों में ही वह पिंकी, अर्जुन और बंटी की फ्रेंड बन गई। गुड्डी के आने से सब और भी खुश थे।

होली के दिन मन्नू और उसके सारे दोस्त सड़क के पास वाले खाली मैदान में होली खेल रहे थे। सबके चेहरे और कपड़े रंगे हुए थे। मन्नू ने कहा, 'गुड्डी तुम अपनी पिचकारी से बैलून में रंग भरो। हम सड़क से आने-जाने वालों पर बैलून फेकेंगे, खूब मजा आएगा।'

'चलो हम साथ मिलकर बैलूंस में रंग भरते हैं।' पिंकी बोली। सब बैलूंस में रंग वाला पानी भरने में लग गए। तभी बच्चों को सड़क पर स्कूटर से एक अंकल आते हुए दिखाई दिए। 'चलो-चलो.. जल्दी बैलून मारो।' मन्नू बोला। सभी बच्चों ने एक साथ स्कूटर पर आ रहे अंकल को बैलूंस मारना शुरू कर दिया। एक साथ कई सारे बैलून चेहरे पर लगने से अंकल के स्कूटर का बैलेंस बिगड़ गया। वह स्कूटर सहित वहीं गिर पड़े। स्कूटर गिरता देख मन्नू और उसके साथी घबरा गए। अंकल जी को थोड़ी चोट लग गई थी। 'अरे अंकल तो गिर गए! अब तो हमें डांट पड़ेगी, हमारी पिटाई भी हो सकती है।' अर्जुन बोला। 'इससे पहले कि अंकल उठकर हमें पकड़ लें, कोई आकर डांटे, हम तुरंत यहां से भाग चलते हैं।' पिंकी बोली।

'हां, ठीक कह रही हो तुम।' बंटी ने हां में हां मिलाई। सभी बच्चों ने जल्दी-जल्दी अपनी पिचकारी उठाई और वहां से नौ दो ग्यारह हो गए। घर पहुंचकर मन्नू ने मम्मी-पापा को स्कूटर वाले अंकल के बारे में कुछ नहीं बताया। उसे डर था, पापा की डांट खानी पड़ेगी। मन्नू ने मम्मी से पूछा, 'पापा कहां हैं?' 'वो तो कॉलोनी में होली मिलने गए हैं।' मम्मी ने बताया। यह सुनकर मन्नू की जान में जान आई। उसने गुड्डी से कहा, 'पापा जब वापस आएं, तो प्लीज पापा से कुछ बताना नहीं।' 'ठीक है, नहीं बताऊंगी।' गुड्डी ने सहमति में सिर हिला दिया।

मन्नू और गुड्डी ने नहा-धोकर कपड़े बदल लिए। पापा थोड़ी ही देर में वापस लौट आए। वह कुछ बड़बड़ा रहे थे। मम्मी ने पूछा, 'क्या बात है, मूड कुछ खराब लग रहा है आपका? आप इतनी जल्दी सभी से होली मिलकर आ भी गए?' 'अरे, क्या बताऊं, मैं किसी से होली मिलने जा ही नहीं पाया।' पापा खीझे स्वर में बोले। 'क्यों?' मम्मी ने जानना चाहा।

पापा ने गुस्से से बताया, 'पड़ोस के शर्मा जी की पत्नी बीमार हैं। वो उनके लिए दवाइयां लेकर आ रहे थे कि कुछ बच्चों ने अचानक उन्हें गुब्बारे मारने शुरू कर दिए। वह स्कूटर से वहीं गिर पड़े। वो तो मैं उधर से ही गुजर रहा था तो उन्हें उठाकर पास की एक क्लीनिक ले गया। गनीमत है, उन्हें ज्यादा चोट नहीं आई।' 'आजकल के बच्चों में जरा भी मैनर्स नहीं हैं। होली के नाम पर कुछ भी करते हैं।' मम्मी भी थोड़ा गुस्से से बोलीं। मन्नू और गुड्डी दरवाजे के पीछे से यह सब सुन रहे थे। अब उन्हें अपने किए पर बहुत पछतावा हो रहा था। गुड्डी ने कहा, 'हमें चलकर शर्मा अंकल से माफी मांगनी चाहिए।' 'तुम ठीक कहती हो। अंकल को हमारी वजह से इतनी तकलीफ हो गई।' मन्नू बोला। शाम को बंटी, पिंकी, अर्जुन, मन्नू, गुड्डी सभी बच्चे शर्मा अंकल के घर गए। आंटी बीमार थीं, बच्चे इसलिए अपने साथ थोड़ा फल भी ले गए। 'अंकल जी, हमें माफ कर दीजिए। हमसे गलती हो गई।' मन्नू बोला। शर्मा अंकल को समझते देर न लगी, वह बोले, 'अच्छा तो बैलूंस मारने वाले शैतान बच्चे तुम सब हो।' अंकल की बात सुन सभी बच्चों के सिर नीचे झुक गए।

'तुम तो रजत के बेटे हो न?' शर्मा अंकल ने मन्नू की तरफ देखते हुए पूछा। 'जी अंकल।' मन्नू बोला। 'तुम्हारे पापा ने उस समय मेरी बड़ी मदद की। चलो मैं तुम लोगों को माफ करता हूं। लेकिन आगे से इस बात का ध्यान रखना कि कभी होली के नाम पर ऐसी शरारत नहीं करना कि किसी को चोट लग जाए, वह परेशान हो।' अंकल ने बच्चों को समझाया। 'हम समझ गए अंकल। हमें सबक मिल गया है। आगे से हम ऐसा कभी नहीं करेंगे।' सभी बच्चे बोले। बंटी ने फलों की टोकरी अंकल की तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'यह आंटी के लिए, हम सब की तरफ से!'

'अरे वाह! तुम लोग तो बहुत समझदार बच्चे हो। मुझे उम्मीद है कि तुम सब बड़े होकर अच्छे इंसान बनोगे।' शर्मा अंकल खड़े होते हुए बोले। उन्होंने सभी बच्चों के माथे पर गुलाल का टीका लगाकर 'हैप्पी होली' कहा। साथ ही बच्चों के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद भी दिया। आंटी ने बच्चों को चॉकलेट्स भी दिए। *

कविता
राजा चौरसिया

होली रंग-रंगीली

इंद्रधनुष जैसे रंगों से
दिखती छटा छबीली।
गांवों से लेकर शहरों तक
होली रंग-रंगीली।।
वासंती मौसम के चलते
कितने सुंदर फूल खिले हैं।
नए-पुराने सब हंस-हंस कर
हाव-भाव से गले मिले हैं।।
चारों ओर गुलाल उड़ रही
सरसों फूली पीली।
हो जाती है सबकी सूरत
पिचकारी से गीली।।
गूंज रहे हैं ढोल-ढमाके
ठुमक-ठुमक कर लोग नाचते।
हंसी-ठिठोली रहे परस्पर
होती रहें चुलबुली शरारतें।।
मनहूसी तो फुर्र हुई है
या फिर हालत ढीली।
कहती हर बस्ती तनाव को
टीली-लीली-लीली।।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां होली की मस्ती कर रहे बच्चों के एक जैसे दो चित्र दिए गए हैं। लेकिन इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें दो मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर बताओ।

उत्तर: 1. लड़की की टी-शर्ट पर ऊपर गले-कंधे के पास पीला रंग लगा हुआ है। 2. लड़के के गालों पर गुलाल नहीं लगा है। 3.लड़के की टी-शर्ट का रंग लाल है। 4.लड़के की पिचकारी का रंग नीला है। 5.लड़के के आगे रखी बाल्टी, पिचकारी और रंगों की प्लेट गायब हैं।

सही रास्ता बताओ

बच्चों, मोनू को होली खेलने के लिए रंग और पिचकारी चाहिए, लेकिन जिस जगह ये दोनों सामान रखे हैं, वहां तक पहुंचने का रास्ता बहुत टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम जरा मोनू को रंग और पिचकारी वाली जगह तक पहुंचने में मदद तो करो।

खबर संक्षेप

भिवानी। महिलाओं को तिलक लगाकर होली की बधाई देती बीके वसुधा।

बच्चों को सुसंस्कारित इंसान बनाएंः वसुधा

भिवानी। परमात्म ज्ञान के रंग व योग अग्नि से व्यर्थ व नकारात्मक बातों को जला अपने गृहस्थ जीवन को आध्यात्मिक मूल्यों से सजा घर को मंदिर की तरह बनाएं, ये उद्गार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा के तत्वावधान में नांधा गांव में होली मिलन एवं पारिवारिक मूल्य विषय पर आयोजित कार्यक्रम लोगों को संबोधित करते हुए कादमा सेवाकेंद्र प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा आज माताएं अपने बेटा बेटी को डॉक्टर इंजीनियर शिक्षक आदि बनाना चाहती हैं, लेकिन आज आवश्यकता है एक अच्छा इंसान बनाने की।

स्नेहपूर्वक मनाए होली का त्योहारः उपायुक्त

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने जिले वासियों को होली के पवित्र त्योहार की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी हिदायतों की पालना करने को कहा है ताकि नागरिकों का स्वास्थ्य ठीक रहे। उन्होंने कहा है कि नागरिक इस त्योहार के अवसर पर भाईचारे की भावना को प्रबल करते हुए प्रेम पूर्वक होली का पर्व मनाए। नागरिक होली के दौरान पानी को बर्बाद न करें। होली रंगों का त्योहार है। उपायुक्त ने कहा है कि होली के त्योहार पर हर्बल रंगों के साथ तिलक कर होली मनाएं।

जल संचयन की ओर बढ़ाने होंगे कदम

चरखी दादरी। आने वाली पीढ़ी के लिए जल का संरक्षण बहुत जरूरी है। केंद्र व राज्य सरकारें जल संरक्षण के लिए चिंतिनशील हैं और इस दिशा में वर्षा के जल सहित जल संरक्षण के बेहतर क्रियान्वयन के लिए तेजी से कार्य कर रही हैं।उपायुक्त मुनीश शर्मा ने कहा है कि केंद्र व राज्य सरकारें कैच द रेन थीम के साथ सरकार निरंतर कदम उठा रही है। वर्षा जल संचय समय के साथ बेहद जरूरी है। उन्होंने जनहित में कहा कि वर्षा के मौसम के दौरान इस वर्षा जल को संचय करते हुए हमें इसका सदुपयोग किया जाना चाहिए। सबको चाहिए कि हम भी जल संरक्षण में भागीदार बनते हुए सरकार का पूरा सहयोग करें और आने वाली पीढ़ी के लिए जल बचाएं।

शिविरों की शिकायतों का जल्द करें निपटारा

चरखी दादरी। समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का जल्द निपटारा करें और किसी भी शिकायत को लंबित न रहने दें। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं समाधान शिविरों में आने वाली शिकायतों की समीक्षा करते हैं। ऐसे में इसको लेकर कोताही ना बरतें। एसडीएम आशीष सांगवान लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुन रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा हर कार्य दिवस जिला मुख्यालय, उपमंडल मुख्यालय पर सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है।

बिना कोचिंग लाखों का पैकेज छोड़ गांव की बेटी बनी आर्मी में लेफ्टिनेंट

- गांव में बेटी की उपलब्धि पर खुशी से नाच उठे ग्रामवासी, किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

अगर मन में कुछ करने की इच्छा ठान ले तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है, ऐसा ही मुकाम चरखी दादरी जिले के गांव रानीला की बेटी निधि लोरा ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर पूरे राज्य एवं देश का नाम रोशन किया है। बिना कोचिंग के पढ़ाई कर निजी क्षेत्र में 20 लाख रुपये का पैकेज छोड़कर निधि ने आर्मी में लेफ्टिनेंट बनने का सपना पूरा किया है। बैंगलोर में हुई पासिंग आउट परेड में निधि को लेफ्टिनेंट के पद पर कमीशन मिला और उनके घर लौटने पर परिवार और गांव में जश्न का माहौल है। ग्रामीणों ने आयोजित कार्यक्रम में निधि को सम्मानित किया। निधि का जन्म 9 अगस्त 1998 में रानीला गांव के एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता मनोज कुमार आर्मी में हवलदार हैं और मां सरिता देवी गृहिणी हैं। पिता व परिवार से प्रेरणा लेकर लेते हुए निधि ने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से अपने सपनों को पूरा किया। एमडीयू से 2020 बैच में इंजीनियरिंग में गोल्ड विजेता निधि एमबीए पास हैं। निधि ने निजी कंपनी में 20 लाख के पैकेज को छोड़कर बिना कोचिंग के लगन और मेहनत कर लेफ्टिनेंट बनी हैं। पिता मनोज व चाचा सतेंद्र ने बताया कि निधि ने सीडीएस परीक्षा पास कर आफिसर ट्रेनिंग अकेडमी बिहार के गया में प्रशिक्षण लिया और आर्मी में लेफ्टिनेंट बन गई। इस अवसर पर कमिश्नर विकास सांगवान, सांसद धर्मबीर सिंह के बेटे मोहित चौधरी, जिला पार्षद मोहित साहू, पूर्व सरपंच ऋषि साहू, मास्टर महावीर सिंह, रवि व सतेंद्र इत्यादि उपस्थित रहे।

चरखी दादरी। लेफ्टिनेंट निधि को सम्मानित करते ग्रामीण।

सेना की कठिन ट्रेनिंग पूरी की

निधि ने भारतीय सेना की कठिन ट्रेनिंग पूरी की। इस दौरान उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाया गया, ताकि वे भारतीय सेना में एक सक्षम अधिकारी के रूप में अपनी भूमिका निभा सकें। ट्रेनिंग के दौरान उन्होंने तीन गोल्ड, दो सिल्वर व दो कांस्य पदक भी जीते हैं। गांव में होली पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में सरपंच संजीत सिंह की अध्यक्षता में लेफ्टिनेंट निधि को सम्मानित किया।

जेसीआई ने जज बनी निहारिका को किया सम्मानित

जज बनी निहारिका को सम्मानित करते जेसीआई के पदाधिकारी।

भिवानी। जेसीआई भिवानी ने रोहतक रोड स्थित बैंक्वेट हॉल में होली मिलन समारोह एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान सभी उपस्थित सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल व आबीर लगाकर होली पर्व की शुभकमानाएं दी तथा नागरिकों को होली पर्व पर पानी बचाने की अपील की। इसके उपरांत भिवानी की बेटी निहारिका दीवान के जज बनने पर उनका सम्मान समारोह का आयोजन किया। संस्था के पूर्व प्रधान सुशील बुवानीवाला ने बताया कि होली मिलन समारोह के दौरान रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमे म्यूजिक, डांस, मस्ती, गेम्स के साथ लजीज पकवान का लुत्फ उपस्थित सभी सदस्यों ने उठाया। कार्यक्रम के दौरान ड्रेस कोड निर्धारित किया, जिसमें सभी पुरुष कुर्ता पायजामा व महिलाएं मल्टी कलर साड़ी पहनकर कार्यक्रम में पहुंचे।

मौसम ने ली करवट, किसान चिंतित

ओले गिरने से फसलों में नुकसान

बाढ़ड़ा क्षेत्र में दो सप्ताह में दूसरी बार हुई ओलावृष्टि, फसलों को नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

बाढ़ड़ा क्षेत्र में वीरवार सायं अचानक मौसम बदलने के बाद बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई है। बाढ़ड़ा क्षेत्र के कई गांवों में दो सप्ताह के दौरान दूसरी बार ओले गिरने से सरसों, गेहूं सब्जियों व बागवानी में नुकसान हुआ है। कई स्थानों पर फसल जमीन पर बिछ गई। किसानों ने ओलावृष्टि से हुए नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजे की मांग की है। बता दें कि वीरवार को मौसम ने करवट ली और बारिश के साथ ओलावृष्टि होने लगी। बाढड़ा व झोझू कलां क्षेत्र में ओलावृष्टि से सरसों, गेहूं व सब्जियों की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। मौजूदा समय में सरसों और गेहूं की फसल तैयार हो लगभग पक गई है। जिले में सबसे अधिक सरसों की खेती होती है। ओलावृष्टि से सरसों में काफी नुकसान हुआ है। जिससे किसान काफी चिंतित हो गए। किसानों ने बताया कि बारिश के साथ ओले पड़ने के कारण उनकी गेहूं व सरसों की फसलों को नुकसान हुआ है। आज जिले के गांव कांहड़ा, गुडाना, हंसावास, भांडवा आदि गांवों में ओले गिरने की सूचना मिली है। इसके अलावा किसान संगठनों के पदाधिकारी प्रशासनिक अधिकारियों को सीएम के नाम ज्ञापन भेज चुके हैं। कृषि अधिकारी डा. चंद्रभान श्योराण ने बताया कि बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि के चलते गेहूं, सरसों व सब्जियों की खेती में नुकसान हुआ है।

28 फरवरी को भी हुई थी ओलावृष्टि

बीते 28 फरवरी देर शाम भी बाढ़ड़ा क्षेत्र के कई गांवों में ओलावृष्टि से फसलों को काफी नुकसान हुआ। जिसके बाद से प्रभावित किसान मुआवजे की मांग कर रहे हैं। हंसावास कलां में तो किसानों ने रोड़ जाम भी किया था वहीं दूसरी बार रोड़ जाम करने की तैयारी कर रहे थे और धरना शुरू कर दिया था। सूचना मिलने पर बाढ़ड़ा विधायक ने किसानों के बीच पहुंचकर नुकसान की भरपाई का आश्वासन दिया था और धरना समाप्त करवाया। वहीं लाड के किसानों ने ओलावृष्टि से बर्बाद फसलों पर ट्रैक्टर चला दिया था।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

राजकीय उच्च विद्यालय भुरटाना में होली का उत्सव हर्षोल्लास से मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

राजकीय उच्च विद्यालय भुरटाना में होली का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, उमंग और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में रंग-बिरंगी खुशियों का माहौल देखने लायक था। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के एक्टिविटी कोऑर्डिनेटर विजय जांगड़ा द्वारा विद्यार्थियों को होली पर्व के धार्मिक और सामाजिक महत्व की जानकारी देने के साथ हुई।

विजय जांगड़ा ने विद्यार्थियों को होलिका दहन की पौराणिक कथा सुनाते हुए बताया कि यह पर्व अच्छाई की बुराई पर विजय का प्रतीक है। उन्होंने विस्तार से समझाया कि किस प्रकार असुर राजा हिरण्यकश्यप, जो स्वयं को ईश्वर मानता था, अपने भक्त पुत्र प्रह्लाद से ईर्ष्या करता था, क्योंकि प्रह्लाद भगवान विष्णु के सच्चे भक्त थे। हिरण्यकश्यप ने कई बार प्रह्लाद को मारने की कोशिश की, लेकिन हर बार प्रह्लाद भगवान की कृपा से बच गए।

अंत में, हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका से प्रह्लाद को मारने का आग्रह किया। होलिका को वरदान था कि आग उसे जला नहीं सकती, लेकिन जब वह प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठी, तो भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित रहे और होलिका जलकर भस्म हो गई।

उपायुक्त ने दिए दिशा निर्देश

अवैध खनन अथवा बिना ई-रवाना बिलों के खनिज वाहनों पर कार्रवाई लाजमीः उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश में कहीं भी अवैध खनन न हो और बिना ई रवाना बिल के खनिज वाहनों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

उन्होंने कहा कि खनन विभाग के महानिदेशक के.एम.पांडुरंग स्वयं पूरे प्रदेश में खनन सम्बंधित हर गतिविधि पर नजर रखे हुए हैं और सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं। महावीर कौशिक ने बताया कि चेकिंग टीमों से रोजाना के आधार पर रिपोर्ट प्राप्त करके आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिला टास्क फोर्स के अधिकारी अवैध खनन व खनन वाहनों की पूरी सक्रियता के साथ जांच कर रहे हैं। फील्ड में मुस्तैदी से वाहनों की जांच का कार्य किया जा रहा है। जिला में आज भी टीमों द्वारा चेकिंग की गई और चेकिंग के दौरान न तो कोई अवैध खनन का मामला पाया गया और न ही कोई ऐसा वाहन मिला जो बिना ई-रवाना के चल रहा हो। जांच टीमें ई-रवाना बिल पर चेकिंग की तिथि व समय मार्क कर रही हैं ताकि किसी भी रूप से उक्त ई बिल का पुनः उपयोग खनिज वाहन चालक द्वारा न किया जा सके। जिला खनन अधिकारी पंकज कुमावत ने बताया कि वे दिन रात अपनी टीम के साथ जिला में मॉनिटरिंग सुनिश्चित कर रहे हैं और हर पहलू पर फोकस रखते हुए विभागीय नियमों की पालना सुनिश्चित की जा रही है। जहां कहीं भी जिला में अवैध खनन होने अथवा बिना ई रवाना बिल के कोई खनिज वाहन निकलने बारे सूचना देना चाहता है तो वे विभाग के टोल फ्री नम्बर 1800-180-5530 पर जानकारी दे सकते हैं। उन्होंने बताया कि उक्त टोल फ्री नम्बर पर जानकारी दे सकते हैं।

भिवानी। वाहनों की जांच करते खनन अधिकारी।

रक्त का मात्र 15वां हिस्सा होता एक यूनिट खून

स्वयंसेवकों को बताया रक्तदान और जल संरक्षण का महत्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

एनएसएस शिविर का उद्देश्य देश के भविष्य युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों से जोड़कर समाजसेवा की दिशा में अग्रणीय बनाना है, ताकि वे भविष्य में सभ्य नागरिक बनकर समाज व राष्ट्र की उन्नति में अपना योगदान दे सकें। इसी कड़ी में महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय में एनएसएस की तीनों इकाईयों के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के 5वें दिन वीरवार को विद्यार्थियों को रक्तदान एवं जल के महत्व से अवगत करवाया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मदन सिंह, डॉ. सुदेश व डॉ. पूनम जोगपाल की देखरेख में आयोजित शिविर में वीरवार को शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा एवं रक्तवीर मनीष वर्मा मुख्य तौर पर पहुंचे। राजेश डुडेजा व रक्तवीर मनीष वर्मा ने स्वयंसेवकों को रक्तदान के महत्व से अवगत करवाया तथा उपस्थित सभी को होली पर्व पर पानी बचाने व तिलक होली मनाने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि रक्तदान के बाद शरीर में खून बनने की प्रक्रिया तेज हो जाती है तथा एक यूनिट रक्त मात्र 24 घंटे में ही बन जाता है और एक यूनिट रक्त 350 मिलीग्राम का होता है, जो शरीर में मौजूद रक्त का मात्र 15वां हिस्सा होता है।

जिला परिषद के सीईओ

समस्याओं के समाधान के लिए समाधान शिविर का फायदा उठाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार में जिले में जन समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में जिला स्तरीय समाधान शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसके साथ ही लोहारू, तोशाम और सिवानी उपमंडलों में भी प्रत्येक कार्य दिवस पर समाधान शिविर आयोजित किये जा रहा हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाता है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर प्रशासन और जनता के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम है। उपायुक्त महावीर कौशिक के मार्गदर्शन में वीरवार को जिला स्तरीय समाधान शिविर में जिला परिषद सीईओ अजय चोपड़ा ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। शिविर में विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों और मांगों पर संबंधित अधिकारियों ने कार्रवाई की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो समस्याएं तुरंत हल हो सकती हैं, उन्हें मौके पर ही निपटाएं और जिन मामलों में समय चाहिए, उनकी प्रक्रिया शीघ्रता से पूरी करें और नागरिकों

श्रद्धालुओं का जत्था रवाना

डाक ध्वजा यात्रा परंपरा नहीं आस्था की प्रतीक : विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

वीरवार को बाड़ी महोल्ला स्थित जीण माता मंदिर से राजस्थान के सीकर स्थित जीण माता मंदिर के लिए डाक ध्वजा यात्रा रवाना हुई। ये यात्रा जल एवं पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता के प्रति जागरूक करने व नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने के संदेश देते हुए गंतव्य को पहुंचेगी। पूर्व मंत्री एवं विधायक घनश्याम सर्राफ ने बतौर मुख्यतिथि पहुंचकर डाक ध्वजा यात्रा को रवाना किया।

यात्रा के दौरान श्रद्धालु ढ़ोल-नगाड़ों और भजनों के साथ पूरे उत्साह से नाचते-गाते आगे बढ़े। यात्रा करीबन 20 घंटे में 240 किलोमीटर की यात्रा तय करेगी तथा जल एवं पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता अपनाने तथा नशे से दूर रहने का संदेश देगी। ध्वजा यात्रा में 31 श्रद्धालुओं का जत्था रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि जल व पर्यावरण संरक्षण तथा नशे के खिलाफ जागरूकता यात्रा एक महत्वपूर्ण अभियान है, जिसका उद्देश्य समाज में जल और पर्यावरण के संरक्षण तथा नशे जैसी सामाजक बुराई के प्रति जागरूकता फैलाना है। यात्रा के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर अनेक लोगों को जागरूक किया जाएगा।

यात्रा को रवाना करते हुए विधायक सर्राफ ने कहा कि जीण माता धाम के लिए डाक ध्वजा यात्रा की परंपरास वर्षो पुरानी परंपरा है।

डाक ध्वजा यात्रा को रवाना करते विधायक सर्राफ।

प्रयास स्पेशल स्कूल में कार्यक्रम

दिव्यांग बच्चों ने रंगों से खेल व होली के गीतों पर किया नृत्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पुराना बस स्टैंड स्थित प्रयास स्पेशल (दिव्यांग) स्कूल में होली पर्व पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें प्रबंधन समिति के सदस्यों ने बच्चों के साथ मिलकर होली खेली और उनके जीवन में खुशियों के रंग भरने का प्रयास किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने रंगोली बनाकर स्कूल प्रांगण को सजाया। कार्यक्रम का आरंभ बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुआ। बच्चों ने रंगों से खेलते हुए, होली के गीतों और नृत्य के साथ इस विशेष दिन को मनाया। सभी ने बच्चों के साथ होली खेलने का आनंद लिया। इस आयोजन ने बच्चों के चेहरे पर मुस्कान और उनके दिलों में एक नई उमंग भर दी। प्राचार्या संस्कृति जैन ने कहा कि हर बार होली के त्यौहार को लेकर बच्चो में एक विशेष उत्साह रहता है, ऐसे आयोजन दिव्यांग बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं।

शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष ने दी पर्व की बधाई

प्राकृतिक व ईको फ्रेंडली रंगों का प्रयोग करें : डॉ. पवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) पवन कुमार ने आज शिक्षा बोर्ड परिसर में स्थित सर्वपल्ली राधाकृष्णन्‍ स्कूल में छात्र-छात्राओं के साथ ईको फ्रेंडली होली मनाई। बोर्ड अध्यक्ष ने प्रदेशवासियों को होली के पर्व पर बधाई दी है। अध्यक्ष ने अपनी शुभकामनाओं में कहा कि वसंत का यह पर्व भारत की विविधता के एकजुट करता है और भाईचारे को मजबूत करता है।

रंगों का यह पर्व एकता के इंद्रधनुष में भारतीय संस्कृति के विविध रंगों का समुच्चय है। यह लोगों के बीच भाईचारे और सौहाद्र्ध को मजबूत करता है। उन्होंने कहा की भारत देश के कल्चर में त्यौहारों का अपना महत्व है। जिसका उद्देश्य सामाजिक ताने-बाने को जोडें रखना है। होली के त्यौहार पर हमें सभी प्रकार के द्वेष व मनमुटाव को दूर करके आपस में गले मिलना चाहिए। आमतौर पर यह देखा गया कि हम पानी को व्यर्थ बहाकर होली मनाते है। उन्होंने कहा कि इस त्योहार को सावधानीपूर्वक और सुरक्षित तरीके से मनाए। हमारा उद्देश्य होली के दौरान पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण करना है। मेरा आग्रह है कि होली के दौरान प्राकृतिक व ईको फ्रेंडली रंगों का प्रयोग करें।

भिवानी। शिक्षा बोर्ड परिसर स्थित स्कूली बच्चों से होली पर्व पर तिलक लगवाते चेयरमैन।

संत कंवर साहेब ने साध संगत को प्रवचनों से किया निहाल

दुल्हेंडी हमें भाईचारे और प्रेम का देता है संदेश

त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत और भाईचारे का प्रतीकः संत कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

होली का त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत और भाईचारे का प्रतीक है। जहां होलिका दहन हमें यह सीख देता है कि बुरा कर्म युग पलटने के बाद भी खड़ा रहता है और उसे करने वाला युगों युगों तक उसकी सजा के तौर पर जनमानस की घृणा पाता है वहीं दुल्हंडी फाग हमें भाईचारे और प्रेम का संदेश देता है। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने दिनोद गांव में स्थित राधास्वामी आश्रम में फरमाये। हुजूर कंवर साहेब ने कहा कि होलिका राक्षसी प्रवृति की थी, जिसने भगवान के भक्त को मिटाने की सोची, लेकिन आखिर जीत भक्त की ही हुई। उन्होंने कहा कि जाको राखे साइयां मार सके ना कोए। अगर भक्त अपने धर्म से ना डिगे तो परमात्मा उसे निहाल कर देता है। भक्ति अनेक तरीके की हैं परंतु प्रभु के नाम की भक्ति सबसे उत्तम भक्ति है। गुरु महाराज ने कहा कि पुराणों में होलिका दहन के सन्दर्भ में नारायण भक्त प्रह्लाद की कथा को वर्णित किया गया है।

भिवानी। गांव दिनोद में आयोजित सत्संग में प्रवचन देते संत कंवर साहेब।

सत्य से दूर भाग रहे हैं हम

गुरु महाराज ने कहा कि सत्संगी सदा प्रभु की संगत में रहता है। सदा परमात्मा की मौज में रहता है। आज हम अपने जीवन में बनावटी चीजों को तो प्रधानता देते हैं लेकिन सत्य से दूर भाग रहे हैं। सर्व जन हिताय सर्व जन सुखाए का सिद्धांत भक्ति का आधार है इसको अपना मूलमंत्र बनाओ। इतिहास गवाह है कि जब जब भक्तों को पीड़ा पहुंचाई गई परमात्मा ने हर बार उनकी रक्षा की है। उन्होंने कहा कि परमात्मा की रजा में ही सबका कल्याण है। हुजूर ने कहा कि सबका कल्याण चाहने वाले का कभी अहित नहीं हो सकता। गुरु महाराज ने कहा कि होली का यही संदेश है कि खुद अच्छे बनो और दूसरों को भी अच्छा बनाओ।किसी भक्त की भक्ति से प्रेरणा पाओ ना कि उसके मार्ग में बाधा बनो। सेवक बनना सीख जाओ परमात्मा को अपने आस पास पाओगे। उन्होंने कहा कि अपने माता पिता की सेवा करो,बड़े बुजुर्गों की सेवा करो,बच्चों को भक्ति और सच्चाई की शिक्षा दो। मां बाप और गुरु के ऋण से इंसान कभी मुक्त नहीं होता।

विधायक ने लोगों के साथ खेली तिलक होली

भिवानी। शहर के लोगों के साथ तिलक लगाकर होली खेलते विधायक घनश्याम सर्राफ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

गुरुवार को बाग कोठी स्थित विधायक घनश्याम सर्राफ ने शहर के लोगों को चंदन का तिलक लगाकर होली खेली। विधायक सर्राफ ने तिलक लगाने के बाद लोगों का मुंह मीठा करवाया। देर शाम तक बाग कोठी स्थित कार्यालय के बाहर विधायक लोगों के साथ होली खेलते रहे।

■ होली तिलक या गुलाल अब्बीर लगाकर खेलें

इस अवसर पर विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि त्यौहार पर कार्यक्रमों के आयोजन से लोगों का आपसी प्रेम व भाईचारा बढ़ता है साथ में संस्कृति व रीति रिवाज भी तरोताजा होती है। उन्होंने होली पर्व को आपसी भाईचारा व प्रेम के साथ मनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि होली पर्व पानी के साथ होली खेलने की बजाए तिलक या गुलाल अब्बीर लगाकर होली खेलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि होली का त्योहार भले ही रंगों के साथ मनाया जाता है लेकिन इनके माध्यम से लोग दिल जोड़ते हैं। सभी आपसी गिले शिकवे भूलाकर प्रेम व प्यार से होली का पर्व मनाएं।

राष्ट्रीय नेटबॉल की तीन इवेंट की ट्रायल स्पर्धा 16 को

भिवानी। हरियाणा नेटबॉल एसो. की महासचिव बबीता ने बताया कि 27 से 29 मार्च तक तृतीय सब जूनियर नेशनल फास्ट फाइव नेटबॉल चैंपियनशिप व 29 से 31 मार्च तक पहली सब जूनियर नेशनल मिक्सड नेटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन कलिंगा स्थित श्रीबालाजी स्कूल में होगा। ट्रायल 16 मार्च को श्रीबालाजी स्कूल में होगी।

आप सभी को होली की हार्दिक शुभकामनाएं
HIGUM
A Hallmark of Economic Excellence in Industrial Gums
A product of U.S. Collaboration, Latest in Technology from a completely automatic plant offering specialised
HIGUM BRAND GUMS :
Guar Gum Powder Manufacturers for :
Textile & Jute Industries, Paper Industry, Explosives Industry, Pesticide Industry, Mosquito Coil Industry, Food Industry, Oil Well Fracturing, Cosmetics & Personal Care, Flocculants Applications.
Manufacturers :
HINDUSTAN GUM & CHEMICALS LIMITED
Birla Colony, Bhiwani (Haryana), Phones : 243891, 243892, 243894, 243811 Fax : 01664-242813
E-mail : bhiwani@hindustangum.com
Website : www.hindustangum.com